

Page No. 1/6

Subject Code **J-325**

Seat No.

--	--	--	--	--	--	--	--

H

DATE : 01/07/2026

Time : 11.00 - 2.00

SUBJECT : ECONOMICS (49)

DURATION : 3 Hours

TOTAL PAGES : 6

TOTAL MARKS : 80

- सूचनाएँ : (i) सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।
(ii) आवश्यकतानुसार स्वच्छ कोष्ठक तथा रेखाचित्र बनाइए।
(iii) दाहिनी ओर के अंक प्रश्नों के पूर्ण गुण प्रदर्शित करते हैं।
(iv) प्रत्येक मुख्य प्रश्न का उत्तर नए पन्ने से प्रारंभ कीजिए।

प्र. १. (अ) योग्य विकल्प चुनिए :

(५) २०

- (i) $Ed = 0$ यह अनुभूति प्राप्त करने वाली वस्तुएँ –
(अ) विलासितापूर्ण (ब) सामान्य
(क) जीवनावश्यक (ड) टिकाऊ
- (ii) व्यापार संतुलन को कहा जाता है –
(अ) राष्ट्रीय व्यापार संतुलन
(ब) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संतुलन
(क) भुगतान संतुलन
(ड) सभी अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक लेन-देन का व्यवस्थित विवरण
- (iii) प्रसिद्ध पुस्तक 'जनरल थ्योरी ऑफ एम्प्लॉयमेन्ट इंटरेस्ट एवं मनी' किसके द्वारा प्रकाशित की गई थी?
(अ) प्रोफेसर अल्फ्रेड मार्शल (ब) डेविड रिकार्डो
(क) लॉर्ड जे.एम. कीन्स (ड) एडम स्मिथ
- (iv) जब शासन (सरकार) देश के नागरिक, बैंक, केन्द्रीय बैंक, वित्तीय संस्थाएँ, औद्योगिक क्षेत्र आदि से ऋण लेते हैं तब उसे ----- कहते हैं।
(अ) आंतरिक ऋण (ब) व्यक्तिगत ऋण
(क) बाह्य ऋण (ड) अन्तर्राष्ट्रीय ऋण

End of Page 1 (P.T.O.)

(v) समय की वह अवधि जिसमें उत्पादन के सभी कारक एवं उत्पादन व्यय परिवर्तित होते हैं -

- (अ) अतिअल्पकालीन (ब) अल्पकालीन
(क) दीर्घकालीन (ड) अतिदीर्घकालीन

(ब) सहसंबंध पूर्ण कीजिए :

(५)

- (i) : अध्यापक : : रूप उपयोगिता : मिट्टी से बने खिलौने
(ii) पूर्ण प्रतियोगिता : असंख्य विक्रेता : : : कुछ विक्रेता
(iii) सैद्धांतिक कठिनाइयाँ : निःशुल्क सेवाएँ : : : स्कंध सामग्री का मूल्यांकन
(iv) पेन एवं स्याही : : : चाय एवं कॉफी : पर्यायी वस्तुएँ
(v) निर्यात प्रवृत्ति : पेट्रोलियम उत्पाद : : : सोना

(क) उचित अर्थशास्त्रीय पारिभाषिक शब्द लिखिए :

(५)

- (i) देश में एवं देश के बाहर एकत्रित शेयर एवं ऋण ऐसी दोनों दीर्घकालीन निधियों का बाजार।
(ii) ऐसी वस्तु जिसके एक से अधिक उपयोग के लिए माँग की जाती है।
(iii) किसी विक्रेता के पास किसी निश्चित समय पर बिक्री के लिए उपलब्ध वस्तु की कुल मात्रा।
(iv) कुछ विशेष उद्देश्य सामने रखकर तैयार किया गया निर्देशांक।
(v) सरकार की अनुमानित राजस्व प्राप्तियाँ (आगम) एवं अनुमानित राजस्व व्यय दोनों मर्दें बराबर (समान) होती हैं।

(ड) असंगत (odd) शब्द पहचानिए:

(५)

- (i) समष्टि अर्थशास्त्र का क्षेत्र :
आय एवं रोजगार का सिद्धांत, वस्तुओं की कीमत निर्धारण का सिद्धांत, सामान्य कीमत स्तर एवं मुद्रास्फीति का सिद्धांत, वितरण का समष्टिगत सिद्धांत
(ii) राष्ट्रीय आय गणना की विधियाँ :
उत्पाद विधि, आय विधि, व्यय विधि, अनुपात विधि

--	--	--	--	--	--	--

(iii) माँग वक्र बायीं से दायीं ओर ऊपर से नीचे खिसकने (आने) के कारण :

पूर्ति नियम, आय प्रभाव, विकल्प प्रभाव, नये उपभोक्ता

(iv) पूर्ति के नियम के अपवाद :

कृषि उत्पाद, नाशवान वस्तुएँ, दुर्लभ वस्तुएँ, गिफिन विरोधाभास

(v) उपयोगिता के प्रकार :

रूप उपयोगिता, कुल उपयोगिता, समय उपयोगिता, स्थान उपयोगिता

प्र. २. (अ) निम्नलिखित उदाहरणों के आधार पर संकल्पना पहचानकर स्पष्ट कीजिए

१२

(कोई तीन) :

(६)

- (i) अर्णव प्रतिदिन ₹ ५०० के हिसाब से ८० दर्जन आम बेचता है।
- (ii) चीनी की कीमत में १०% वृद्धि होने पर चीनी की माँग में १०% की कमी होती है।
- (iii) रीना ने ₹ ५०,००० की एकमुश्त राशि बैंक में एक वर्ष के लिए जमा की।
- (iv) शबाना ने अपनी फैक्ट्री चलाने के लिए मजदूरों को वेतन एवं बैंक ऋण पर ब्याज दिया।
- (v) वृंदा को राज्य सरकार द्वारा हर माह ₹ ५,००० निवृत्ति वेतन प्राप्त होता है।

(ब) अंतर स्पष्ट कीजिए (कोई तीन) :

(६)

- (i) प्रत्यक्ष माँग एवं अप्रत्यक्ष माँग
- (ii) लास्पेयर कीमत निर्देशांक एवं पाश्चे का कीमत निर्देशांक
- (iii) प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर
- (iv) व्यष्टि अर्थशास्त्र एवं समष्टि अर्थशास्त्र
- (v) कुल व्यय एवं कुल प्राप्तियाँ

प्र. ३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए (कोई तीन) :

१२

- (i) उपयोगिता की कोई चार विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।
- (ii) विदेशी व्यापार की भूमिका किन्हीं चार मुद्दों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

- (iii) व्यष्टि अर्थशास्त्र की कोई चार विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।
- (iv) माँग की लोच निर्धारित करने वाले कोई चार कारक स्पष्ट कीजिए।
- (v) एकाधिकार के कोई चार प्रकार स्पष्ट कीजिए।

प्र. ४. निम्नलिखित विधानों से आप सहमत हैं या असहमत हैं, कारण सहित स्पष्ट कीजिए

१२

(कोई तीन) :

- (i) पूर्ति के नियम की कई मान्यताएँ हैं।
- (ii) 'वस्तु भिन्नता' एकाधिकारिक प्रतियोगिता की एकमात्र विशेषता है।
- (iii) सीमांत उपयोगिता और कुल उपयोगिता समान हैं।
- (iv) निर्देशांक की कई सीमाएँ हैं।
- (v) सार्वजनिक वित्त और निजी वित्त में अंतर है।

प्र. ५. निम्नलिखित तालिका, रेखाचित्र, परिच्छेद का अध्ययन करके पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए (कोई दो) :

८

- (i) निम्नलिखित तालिका का निरीक्षण करके प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(४)

वस्तु	२००० में वस्तुओं की मात्रा (आधार वर्ष) q_0	२००१ में वस्तुओं की मात्रा (चालू वर्ष) q_1
अ	२०	४५
ब	४०	७०
क	६०	१०५
ड	२०	६०
योग	$\Sigma q_0 =$ <input type="text"/>	$\Sigma q_1 =$ <input type="text"/>

प्रश्न:

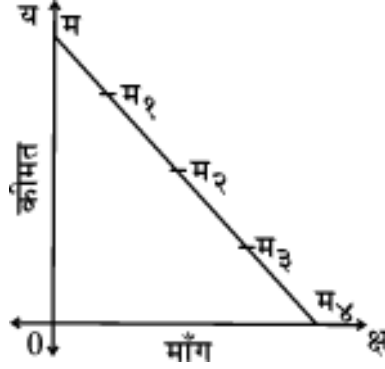
- (अ) उपरोक्त तालिका को पूर्ण कीजिए। (१)
- (ब) उपरोक्त तालिका की सहायता से मात्रा सूचकांक को ज्ञात कीजिए। (३)

--	--	--	--	--	--	--

(ii) निम्नांकित रेखाचित्र का निरीक्षण करके प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(४)

आकृति में 'म म_४' रेखीय माँग वक्र है। आकृति के आधार से निम्नलिखित विधान सही या गलत हैं लिखिए।



प्रश्न:

(१) म_३ बिंदु पर माँग अधिक लोचदार है।

(१)

(२) म_१ बिंदु पर माँग इकाई लोचदार है।

(१)

(३) म_२ बिंदु पर माँग कम लोचदार है।

(१)

(४) म बिंदु पर माँग संपूर्ण लोचदार है।

(१)

(iii) निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर उसपर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(४)

वित्त मंत्रालय ने कई स्लैब के बजाय दो स्लैब वाली जी.एस.टी. संरचना का प्रस्ताव दिया है। यह सुधार कर प्रणाली को सरल बनाएगा जिससे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को लाभ होगा और उपभोक्ताओं के लिए वस्तुएँ सस्ती होंगी। नियमित कर राजस्व के अलावा, केन्द्र सरकार उपकर और अधिभार से बड़ा राजस्व अर्जित करती है।

वित्त वर्ष सन् २०२५-२६ के लिए, सरकार को उपकर और अधिभार से ₹ ५.९१ लाख करोड़ की आय की उम्मीद है, जो पिछले वर्ष की तुलना में ९.४३% अधिक है।

हाल ही में कई वस्तुओं पर जी.एस.टी. दरें कम की गई हैं। इससे उपभोक्ताओं को राहत मिलती है, क्रय शक्ति बढ़ती है एवं अर्थव्यवस्था में माँग तीव्र होती है। हालाँकि, इस तरह की कटौती से राजस्व में कमी आती है। अधिकारियों के अनुसार, इस घाटे की बेहतर कर संग्रह और अन्य राजकोषीय उपायों के माध्यम से भरपाई की जा सकती है।

आज भारत की सार्वजनिक वित्त प्रणाली प्रमुख चुनौतियों का सामना कर रही है:

बढ़ते व्यय के साथ राजस्व में कमी।

निवेश को बढ़ावा देते हुए राजकोषीय घाटे को कम करने की आवश्यकता।

इससे निपटने के लिए, सरकार को कर सुधारों, व्यय को प्राथमिकता देने और दीर्घकालिक बुनियादी ढाँचे में निवेश को प्राथमिकता देने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

प्रश्न :

- | | |
|--|-----|
| (१) वित्त वर्ष २०२५-२६ में सरकार उपकर और अधिभार से कितने राजस्व की अपेक्षा (उम्मीद) कर रही है? | (१) |
| (२) आज भारत की सार्वजनिक वित्त प्रणाली के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों का उल्लेख कीजिए। | (१) |
| (३) उपरोक्त परिच्छेद पर अपना मत स्पष्ट कीजिए। | (२) |

प्र. ६. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए (कोई दो) :

१६

- (i) माँग का नियम अपवाद सहित स्पष्ट कीजिए।
- (ii) राष्ट्रीय आय की परिभाषा लिखकर राष्ट्रीय आय की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।
- (iii) भारत में मुद्रा बाजार की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

